



न्यूज़ ब्रीफ

सरकार ने तंबाकू मुक्त निकोटीन पाउच पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध, बिक्री, विज्ञापन और वितरण पर पूर्ण रोक



नई दिल्ली। भारत सरकार ने युवाओं में तेजी से लोकप्रिय रहे तंबाकू मुक्त निकोटीन पाउच की बिक्री, विज्ञापन और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इन उत्पादों को जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इन सिंथेटिक निकोटीन पाउच को युवाओं के लिए अत्यधिक नशीला और दिल व दिमाग के लिए बेहद खतरनाक बताया है, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ई-सिगरेट प्रतिबंध कानून (पीईसीए 2019) और खाद्य सुरक्षा मानकों (एफएसएसएआई) के तहत इनके आनलाइन व आफलाइन बाजारों पर तुरंत छापेमारी के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य पान की दुकानों, ई-कामर्स साइटों और सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को लक्षित कर फैल रहे इस नए तरह के नशे के प्रसार पर पूरी तरह रोक लगाना है। ये पाउच, जिनमें निकोटीन होता है पर तंबाकू नहीं, भारत में बेचने के लिए अधिकृत नहीं हैं और पूरी तरह अवैध हैं! बावजूद इसके, जिन और व्हाइट फाक्स जैसे विदेशी ब्रांड्स की तस्करी कर 18 से 40 साल के युवाओं के बीच इन्हें बेचा जा रहा है। बड़ी तंबाकू कंपनियां सिगरेट के विकल्प के तौर पर इन्हें बढ़ावा दे रही थीं, क्योंकि इन पर अभी कोई नियम लागू नहीं है। देश में हर साल तंबाकू से 13.5 लाख लोगों की मौत होती है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन, 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ



नई दिल्ली। देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक आफ बड़ोदा (बीओबी), यूनियन बैंक आफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है।

टाटा मोटर्स की नई सेडान एरिस लान्च, नए फीचर्स से है लैस

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी नई सेडान एरिस को लान्च करने के लिए तैयार



वीडियो में इंटीग्रेटेड डैशकैम फीचर वाला 360-डिग्री कैमरा भी नजर आ रहा है। एरिस का डैशबोर्ड लेआउट काफी हद तक नई जनरेशन टियागो जैसा दिखता है, हालांकि पूरे केबिन में बैज कलर थीम का इस्तेमाल किया गया है। एरिस के डैशबोर्ड पर दो सेंट्रल एसी वेंट्स के ऊपर एक फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन और उसके नीचे फिजिकल स्विच की लाइन दी गई है। इसमें ग्लास-क्लेक क्लाइमेट-कंट्रोल पैनल में दो रोटरी नाब और एरिस लिखा हुआ है। सीटों और एडजस्टेबल फ्रंट हेडरेस्ट पर भी बैज कलर का उपयोग किया गया है। टीजर में टू-स्पोक मल्टीफंक्शन स्टीयरिंग व्हील और पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी दिखाया गया है। सेंट्रल कंसोल पर एक रोटरी सेलेक्टर दिख रहा है, जिससे यह एएमटी वर्जन होने का संकेत मिलता है, और इसमें पैडल शिफ्टर्स भी दिए गए हैं। यह एरिस का सीएनजी एएमटी वर्जन भी हो सकता है।

नईदुनिया

सिर्फ चीनी नहीं, अब ईंधन से होगी चीनी मिलों की बंपर कमाई

नई दिल्ली देश में बढ़ती चीनी की कीमतें जहां आम आदमी के बजट पर भारी पड़ रही हैं, वहीं चीनी मिलों के लिए भी केवल चीनी बेचकर मुनाफा कमाना आसान नहीं रह है। इसी समस्या का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने चीनी मिलों को एक नई दिशा दिखाई है।

उन्होंने मिलों से अपील की है कि वे सिर्फ चीनी उत्पादन तक सीमित न रहें, बल्कि गन्ने और उसके कचरे का इस्तेमाल कर इथेनाल,

बढ़ती चीनी कीमतों के बीच केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मिलों को दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल और कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) जैसे अन्य उत्पाद बनाकर अपनी आय बढ़ाएं। यह कदम न केवल मिलों को आर्थिक रूप से मजबूत करेगा, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने चीनी मिलों को सलाह दी है कि वे अब केवल चीनी के उत्पादन और बिक्री पर ही ध्यान केंद्रित न करें।

उनका मानना है कि मिलों को अब गन्ने और उससे निकलने वाले कृषि अपशिष्टों का सदुपयोग करते हुए अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण पर जोर देना चाहिए। गडकरी के अनुसार, इथेनाल, सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल, बायो-फर्टिलाइजर और कंप्रेस्ड बायो जैसे उत्पाद चीनी मिलों की कमाई में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। इस दिशा में इथेनाल उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मध्य-पूर्व में तनाव के चलते पेट्रोल-डीजल आपूर्ति पर पड़े असर ने सरकार को इथेनाल ब्लेंडिंग (ई20 पेट्रोल) को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है, जिससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम की जा सके। देश में इथेनाल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए चीनी मिलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसी तरह गन्ने की खेाई और अन्य

भारत नई निवेश संधियों के साथ एफडीआई आकर्षित करने को तैयार



नई दिल्ली भारत अपनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आवाक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चार महत्वपूर्ण द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) को अंतिम रूप देने के बेहद करीब है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ये संधियां एक संशोधित ढांचे पर आधारित होंगी, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इस पहल का लक्ष्य एफडीआई में हालिया गिरावट को रोकना है, जहां पिछले चार वर्षों में शुद्ध एफडीआई वित्त वर्ष 2020-22 के लगभग 40 अरब डॉलर के औसत से घटकर अब 6.95 अरब डॉलर रह गया है।

भारत वर्तमान में ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ओमान और कतर के साथ बीआईटी के लिए बातचीत के अंतिम चरण में है, जबकि कनाडा के साथ हाल ही में चर्चा शुरू हुई है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यह भी पुष्टि की है कि भारत और आस्ट्रेलिया भी एक बीआईटी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026 के अपने बजट भाषण में भारत के बीआईटी ढांचे की समीक्षा की घोषणा करते हुए इसे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने और पहले भारत का विकास की भावना

संशोधित ढांचे पर आधारित चार द्विपक्षीय निवेश संधियां (बीआईटी) अंतिम चरण में

को बढ़ावा देने पर जोर दिया था। भारत का मौजूदा बीआईटी ढांचा वर्ष 2015 में लागू हुआ था, जिसके बाद सरकार ने 2016 में 50 से अधिक साझेदारों के साथ अपनी संधियों को रद्द कर दिया था। अधिकांश साझेदारों ने 2016 के ढांचे को प्रतिबद्धात्मक बताया था, खासकर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक स्थानीय कानूनी उपायों के इस्तेमाल की शर्त के कारण। यही वजह थी कि निवेश की नई संधियों को अंतिम रूप देना मुश्किल हो गया था। हालांकि, वित्त मंत्रालय के अधिकारी ने संकेत दिया है कि अद्यतन बीआईटी ढांचे में भी स्थानीय कानूनी उपाय वाला यह प्रावधान बरकरार रहने की संभावना है। इस बीच, आर्थिक मामलों के विभाग (डीए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने भी पिछले महीने कहा था कि सरकार बीआईटी ढांचे में बदलाव के तहत विवाद सुलझाने सहित कई अन्य प्रावधानों पर विचार कर रही है, जो विदेशी निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

भारत पर महंगा पड़ेगा रूसी तेल का विकल्प



नई दिल्ली। रूस से कच्चे तेल के आयात में कमी करने पर भारत को सालाना अरबों डॉलर का अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नह कदम न केवल वित्तीय बोझ बढ़ाएगा बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के लिए भी बड़ी चुनौती बन सकता है। एक रिपोर्ट बताती है कि यदि भारत प्रतिदिन लगभग 10 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की जगह महंगे विकल्प अपनाना तो, तो उसे हर साल 1.8 से 3.7 अरब डॉलर अधिक खर्च करने पड़ सकते हैं। इन वैकल्पिक स्रोतों से मिलने वाला तेल रूसी तेल के मुकाबले करीब 5 से 10 डॉलर प्रति बैरल महंगा हो सकता है। यदि यह विकल्प 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ता है, तो यह अतिरिक्त खर्च दोगुना हो सकता है, जैसा कि क्मोडिटी एक्सचेंज नताल्या काटोना का अनुमान है। हालांकि, वित्तीय बोझ से भी बड़ी चुनौती इतनी बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की वैकल्पिक आपूर्ति खोजना है। अगस्त में रूस ने भारत को लगभग 19 लाख बैरल प्रतिदिन तेल भेजा, जो देश के कुल कच्चे तेल आयात का करीब 42 फीसदी था। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के एक अधिकारी के मुताबिक जुलाई में रूस की हिस्सेदारी 52 फीसदी तक पहुंच गई थी, जिसे किसी अन्य स्रोत से बदलना बेहद कठिन होगा। भारत सरकार अपनी ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देती रही है। अक्टूबर से मार्च-अप्रैल तक ईंधन की सर्वाधिक मांग और रिफाइनरियों की पूर्ण क्षमता को देखते हुए कुल आयात घटना भी संभव नहीं होगा।

महंगी हुई मारुति सुजुकी की सेलेरियो और आल्टो के10

नई दिल्ली अपने ग्राहकों को झटका देते हुए मारुति सुजुकी ने अपनी किफायती हैचबैक सेलेरियो और आल्टो के10 की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। हालांकि, इसके बेस एलएक्सआई वेरिएंट और सीएनजी माडल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे इन खरीदारों को राहत मिली है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सेलेरियो के वीएक्सआई, झेडएक्सआई और झेडएक्सआई प्लस पेट्रोल वेरिएंट अब 2,500 रुपये महंगे हो गए हैं। मारुति सेलेरियो में 1.0-लीटर, 3-सिलेंडर के 10 सी पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 66 बीएचपी की पावर और 89 एनएम का टार्क पैदा करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबाक्स विकल्पों के साथ खरीदा जा सकता है, जिसमें पेट्रोल एएमटी वेरिएंट 26 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देता है। वहीं, सीएनजी माडल में यही इंजन 56 बीएचपी की पावर और 82 एनएम का टार्क देता



है, जिसका दावा किया गया माइलेज 34.43 किलोमीटर प्रति किलोग्राम है और यह केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ आता है। सुरक्षा के लिहाज से, ग्लोबल एनकैप की हालिया टेस्टिंग में 6 एयरबैग वाले

सेलेरियो वेरिएंट को 3-स्टार एडवर्ट आक्न्यूपेंट प्रोटेक्शन रेटिंग मिली थी। सेलेरियो के अलावा, मारुति सुजुकी ने अपनी आल्टो के10 की कीमतों में भी 2,500 रुपये की बढ़ोतरी की है।

इस बढ़ोतरी में वीएक्सआई (ओ) पेट्रोल मैनुअल, एलएक्सआई (ओ) सीएनजी, वीएक्सआई (ओ) पेट्रोल ऑटोमैटिक और वीएक्सआई (ओ) सीएनजी जैसे चुनिंदा वेरिएंट शामिल हैं। आल्टो के10 में के-सीरीज 1.0-लीटर ड्यूल जेट, ड्यूल वीवीटी इंजन दिया गया है। इसका ऑटोमैटिक वेरिएंट 24.39 केएमपीएल और मैनुअल वेरिएंट 24.39 केएमपीएल का माइलेज देता है, जबकि सीएनजी वेरिएंट का माइलेज 33.85 किमी/किग्रा है। कंपनी अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बड़े अपग्रेड करने की तैयारी में है, जिसके तहत

जल्द ही 7-सीटर ग्रैंड विटारा और ऑर्टेंगो फेसलिफ्ट की एंटी होगी। 17-सीटर ग्रैंड विटारा का कोडनेम वाय 17 है और इसे 2027 में लान्च किए जाने की उम्मीद है, जिसमें 6 और 7 सीटों का विकल्प मिल सकता है।

एआई विकास में राष्ट्रों के अधिकार का समर्थन: जयशंकर

नई दिल्ली विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के हालिया सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास में हर देश के संप्रभु अधिकार का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी देश अपने लक्ष्यों और जरूरतों के हिसाब से अपना एआई माडल तैयार कर सकता है और उसका इस्तेमाल कर सकता है।

जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ग्लोबल साउथ के देशों के साथ मिलकर एआई को जनहित और आर्थिक विकास के लिए आगे बढ़ाना चाहता है। जयशंकर ने एआई को केवल एक नई तकनीक के बजाय लोगों के जीवन को आसान बनाने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और व्यापक समस्याओं को हल करने का एक



शक्तिशाली उपकरण बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी साल फरवरी में एआई इम्पैक्ट संहिता की मेजबानी की थी, जिसमें वैश्विक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया था। विदेश मंत्री ने दोहराया कि हर देश की जरूरतें और प्राथमिकताएं अलग होती हैं, इसलिए उन्हें अपने एआई माडल बनाने और उनके उपयोग का तरीका तय करने का अधिकार होना चाहिए। भारत अपनी ग्लोबल साउथ साझेदारी में दु को महत्वपूर्ण स्थान देगा। विदेश मंत्री ने ग्लोबल साउथ के देशों के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें भोजन, ईंधन, उर्वरक और वित्त से जुड़ी चार

बेंटले ने लान्च किए पारफेक्ट टार्कल एस के साथ दो वेरिएंट

नई दिल्ली। लज्जरी कार निर्माता बेंटले कंपनी की पहली बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (बीवी) को स्टैंडर्ड टार्कल और अधिक पावरफुल टार्कल एस के साथ दो वेरिएंट में पेश किया है। कंपनी के इन दोनों ही माडल में 113.2 किलोवाट आवर की दमदार बैटरी दी गई है। डब्ल्यूएलटीपी के अनुसार, इसकी अधिकतम क्लेक्ड रेंज 600 किलोमीटर तक है। चार्जिंग के मामले में, 400 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जर से बैटरी को मात्र 16 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। यह एक्सप्रेस सिर्फ 2.9 सेकंड में 0-100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है, जो इसे बेहद तेज बनाती है। टार्कल के साथ बेंटले ने अपनी नई डिजाइन भाषा की शुरुआत की है, जिसमें लंबा व्हीलबेस, छोटे ओवरहैंग और एक नया फ्रंट डिजाइन मिलता है। इसमें डायमंड पैटर्न वाली डब्ल्यूमिनेटड ग्लिल दी गई है, जिसमें 76 एलईडी डायमंड एलिमेंट का उपयोग किया गया है। यह बेंटले के नए डिजाइन वाले लोगों के साथ आने वाली पहली कार भी है। इटीरियर में बेंटले की पारंपरिक विंग-इंस्पायर्ड डैशबोर्ड डिजाइन को आधुनिक डिजिटल इंटरफेस के साथ जोड़ा गया है। लेंडर, व्हील, वुड और एल्यूमीनियम जैसी प्रीमियम फिनिश के साथ इसमें 16-वे इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट, हीटिंग, वेंटिलेशन और मसाज जैसे फीचर्स स्टैड हैं। आडियो के लिए इसमें 16-स्पीकर, 620 वाट सिस्टम या वैकल्पिक रूप से 28-स्पीकर वाला भीम कार बेंटले सिस्टम मिलता है, जो ड्रावी एटेमास को सपोर्ट करता है। पावर की बात कर तो, टार्कल में दो परफार्मेंट मैनेट सिंक्रोस ड्रिविड्रक मोटर दी गई हैं। बेंटले ने इसमें पेट्रोल इंजन की आवाज की नकल करने के बजाय बेंटले डायनामिक सिम्फनी नामक खास साउंड सिस्टम दिया है।